भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 4127
दिनांक 25 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

पशुधन गणना

4127. श्री कुलदीप इंदौराः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने प्रभावी नीति निर्माण के उद्देश्य से तथा विभिन्न राज्यों में पशु कल्याण हेतु समुचित निधि आबंटन के लिए कोई पशुधन गणना कराई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) राजस्थान राज्य में विशेषकर श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों के संदर्भ में पशुधन के संबंध में अब तक एकत्र किए गए आंकड़ों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) और (ख) जी हां, पशुधन संगणना पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) का एक नियमित पंचवर्षीय कार्य है। पहली पशुधन संगणना वर्ष 1919 में की गई थी और अंतिम संगणना यानी 20वीं पशुधन संगणना वर्ष 2019 में की गई थी। 21वीं पशुधन संगणना दिनांक 25 अक्टूबर, 2024 से पूरे देश में शुरू की गई है और दिनांक 31 मार्च, 2025 तक पूरा होने की संभावना है। इसमें पालतू पशुओं जैसे गोपशु, भैंस, बकरी, भेड़, याक, मिथुन , कुत्ता, खरगोश, सुअर, घोड़ा, टट्टू, गधा, खच्चर, ऊंट, हाथी और पोल्ट्री पक्षियों की 15 प्रजातियों की गणना शामिल है, बेहतर नीति निर्माण के लिए पशुधन और नस्लों के रुझानों का आकलन करना, देशी और विदेशी नस्लों के संरक्षण और प्रजनन कार्यक्रमों के लिए डेटा एकत्र करना, पशुधन क्षेत्र में विकास और कल्याण के लिए विभिन्न सरकारी आयोजना और पहलों हेतु बहुमूल्य इनपुट प्रदान करना इस अभ्यास के कुछ लक्ष्य और उद्देश्य हैं।

(ग) 21वीं पशुगणना संगणना का कार्य जारी है। तथापि, 20वीं पशुधन संगणना के अनुसार राजस्थान राज्य के साथ-साथ श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ जिलों में पशुधन गणना का विवरण निम्नानुसार है-

जिले/राज्य	पशुधन					
	गोपशु	भैंस	बकरी	भेड़	अन्य	कुल
श्री गंगानगर	6,36,702	2,00,125	303487	233917	9081	13,83,312
हनुमानगढ़	5,44,264	3,02,203	180537	170021	20143	12,17,168
कुलः राजस्थान	1,39,37,630	1,36,93,316	20840203	7903857	425939	5,68,00,945

नोटः अन्य में घोड़ा, टट्टू, खच्चर, गधा, ऊंट और सूअर शामिल हैं।